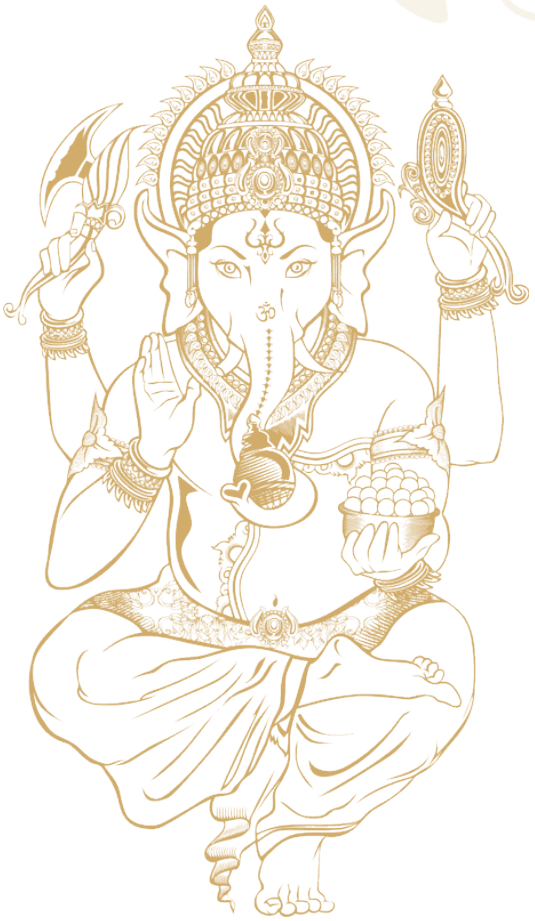

Mr.

Ms

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120864614

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
7-08/05/1983	जन्म तिथि	17/03/1989
शनि-रविवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 01:22:00	जन्म समय	19:15:00 घंटे
घटी 49:33:36	जन्म समय(घटी)	31:53:41 घटी
India	देश	India
Simla	स्थान	Simla
31:06:00 उत्तर	अक्षांश	31:06:00 उत्तर
77:10:00 पूर्व	रेखांश	77:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:20	स्थानिक संस्कार	-00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:33	सूर्योदय	06:29:31
19:04:28	सूर्यास्त	18:30:27
23:37:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:42:31

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 12वर्ष 9मा 20दि	24:39:54	मक	लग्न	कन्या	13:39:27	शनि 9वर्ष 3मा 9दि
बुध	23:03:44	मेष	सूर्य	मीन	03:14:19	शुक्र
26/02/2015	22:39:38	कुंभ	चंद्र	कर्क	10:09:28	26/06/2022
26/02/2032	29:54:43	मेष	मंगल	वृष	10:04:21	26/06/2042
बुध 25/07/2017	00:25:36	वृष व	बुध	कुंभ	17:18:59	शुक्र 26/10/2025
केतु 22/07/2018	14:52:35	वृश्चि व	गुरु	वृष	07:16:18	सूर्य 26/10/2026
शुक्र 22/05/2021	04:32:40	मिथु	शुक्र	कुंभ	28:34:37	चन्द्र 26/06/2028
सूर्य 28/03/2022	06:18:28	तुला व	शनि	धनु	19:09:04	मंगल 26/08/2029
चन्द्र 28/08/2023	02:12:32	मिथु व	राहु	कुंभ	11:06:13	राहु 25/08/2032
मंगल 24/08/2024	02:12:32	धनु व	केतु	सिंह	11:06:13	गुरु 26/04/2035
राहु 13/03/2027	14:20:29	वृश्चि व	हर्ष	धनु	11:24:05	शनि 26/06/2038
गुरु 18/06/2029	05:15:53	धनु व	नेप	धनु	18:28:06	बुध 26/04/2041
शनि 26/02/2032	04:00:00	तुला व	प्लूटो व	तुला	21:14:15	केतु 26/06/2042

लग्न-चलित

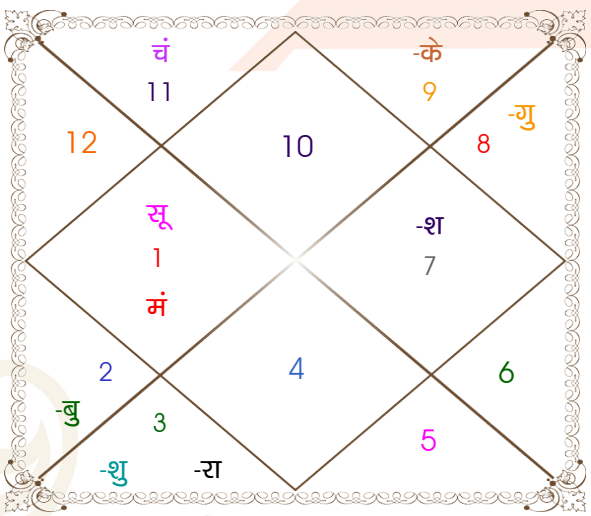

लग्न-चलित

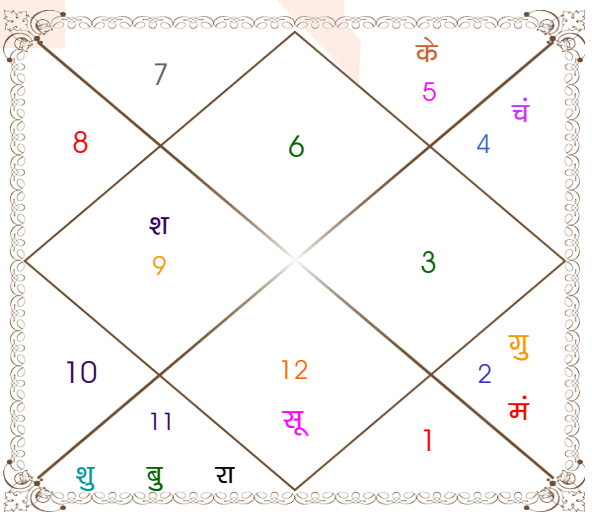

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Mr. का वर्ग मेष है तथा Ms का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Ms कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।